रोहिंग्या नरसंहार पर ICJ का निर्णय: राज्य की जिम्मेदारी और आगे की राह

समाचार: 19 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 20 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: ICJ, नरसंहार कन्वेंशन, म्यांमार; मुख्य परीक्षा: GS-II, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और मानवाधिकार



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

संयुक्त राष्ट्र के Independent Investigative Mechanism for Myanmar (IIMM) ने 19 नवंबर को बताया कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, ICJ, ने रोहिंग्या के विरुद्ध नरसंहार के लिए म्यांमार को जिम्मेदार पाया और क्षतिपूर्ति के निर्देश दिए। मामला गाम्बिया बनाम म्यांमार, नरसंहार कन्वेंशन के अनुप्रयोग, से संबंधित है। इसे किसी सैन्य अधिकारी की व्यक्तिगत आपराधिक दोषसिद्धि न समझें।

न्यायालय ने क्या पाया

IIMM के आधिकारिक विवरण के अनुसार निर्णय में 2017 के उत्तरी रखाइन अभियानों के दौरान बड़े पैमाने पर हत्याओं, यौन हिंसा और गाँवों के व्यवस्थित विनाश से जुड़े साक्ष्यों पर विचार हुआ। न्यायालय ने नरसंहार रोकने और दंडित करने के दायित्व के उल्लंघन को भी पाया। IIMM ने गवाहों के बयान और विश्लेषणात्मक रिपोर्टें उपलब्ध कराई थीं। साक्ष्य एकत्र करने वाली संस्था और फैसला देने वाले न्यायालय की भूमिकाएँ अलग हैं।

आदेश और उसका क्रियान्वयन

आधिकारिक विवरण में जिम्मेदार लोगों की जाँच और अभियोजन, सुरक्षित और स्वैच्छिक वापसी, संपत्ति की बहाली और पर्याप्त मुआवजे का उल्लेख है। म्यांमार को दो वर्ष में बहाली के उपायों तथा मुआवजे की राशि और प्रक्रिया पर न्यायालय को रिपोर्ट देनी है। आदेश होना और जमीन पर उसका पूरा पालन होना अलग अवस्थाएँ हैं। विस्थापित लोगों की वापसी के लिए सुरक्षा, स्वैच्छिक सहमति और टिकाऊ पुनर्वास की परिस्थितियाँ जरूरी हैं।

परीक्षा के लिए मूल अंतर

ICJ में इस मामले का प्रश्न म्यांमार की राज्य के रूप में अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी है। किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी के लिए अलग जाँच और न्यायिक कार्यवाही चाहिए। IIMM स्वयं दोषसिद्धि करने वाला न्यायालय नहीं है; उसका काम गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के साक्ष्य जुटाना, संरक्षित करना और सक्षम न्यायिक प्रक्रियाओं में सहायता करना है।

मुख्य परीक्षा का विश्लेषण

यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय न्याय और क्रियान्वयन के बीच अंतर दिखाता है। न्यायिक तथ्य-निर्धारण पीड़ितों के दावे और जवाबदेही को मजबूती देता है, लेकिन अनुपालन, सुरक्षा और पुनर्वास के लिए राजनीतिक तथा प्रशासनिक कदम भी चाहिए। उत्तर में पूरे देश या समुदाय पर सामूहिक दोषारोपण न करें। न्यायालय के निष्कर्ष, किसी सरकार का दावा और स्वतंत्र मानवीय जरूरतें अलग-अलग लिखें।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का निर्णय जवाबदेही की शुरुआत मजबूत कर सकता है, लेकिन मानवीय समाधान का विकल्प नहीं है।" रोहिंग्या मामले के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

1. **भूमिका में:** न्यायिक निष्कर्ष
2. **मुख्य भाग में:** अनुपालन और क्षतिपूर्ति; सुरक्षित स्वैच्छिक वापसी
3. **निष्कर्ष में:** व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी की अलग प्रक्रिया।

PCS MANTRA

स्रोत

https://iimm.un.org/en/icj-judgment-marks-historic-step-towards-justice-rohingya
https://news.un.org/en/story/2026/11/1168836

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

रोहिंग्या मामले में ICJ के समक्ष मामला किसने और किस आधार पर चलाया?

यह कार्यवाही गाम्बिया बनाम म्यांमार के रूप में नरसंहार कन्वेंशन के अनुप्रयोग पर चली। 19 नवंबर 2026 को न्यायालय ने म्यांमार को नरसंहार के लिए जिम्मेदार पाया और क्षतिपूर्ति के निर्देश दिए। स्रोत (https://iimm.un.org/en/icj-judgment-marks-historic-step-towards-justice-rohingya)

म्यांमार को न्यायालय को कब तक और किस विषय पर रिपोर्ट देनी है?

म्यांमार को दो वर्ष के भीतर बहाली के उपायों तथा मुआवजे की राशि और प्रक्रिया पर न्यायालय को रिपोर्ट देनी है। आदेश में जिम्मेदार लोगों की जाँच-अभियोजन, सुरक्षित और स्वैच्छिक वापसी, संपत्ति की बहाली और पर्याप्त मुआवजा भी शामिल है। स्रोत (https://iimm.un.org/en/icj-judgment-marks-historic-step-towards-justice-rohingya)

IIMM क्या है और यह स्वयं दोषसिद्धि करता है क्या?

IIMM संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा 2018 में बनाई गई संस्था है जो म्यांमार में गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के साक्ष्य जुटाती, संरक्षित करती और विश्लेषण करती है। यह दोषसिद्धि करने वाला न्यायालय नहीं है; व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी के लिए अलग जाँच और न्यायिक प्रक्रिया चाहिए। स्रोत (https://news.un.org/en/story/2026/11/1168836)

PCS MANTRA